जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

12 फरवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने की सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिये के समुदायों के बच्चों के लिए खेल और सांस्कृतिक बैठक की मेजबानी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समाज कार्य विभाग ने 11 फरवरी, 2024 को दिल्ली-एनसीआर में सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिये पर रहने वाले समुदायों के बच्चों के लिए एक अंतर-एजेंसी खेल और सांस्कृतिक बैठक का आयोजन किया। विभाग 1971 से भारत के राष्ट्रपति और जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापकों में से एक स्वर्गीय डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती मनाने के लिए इस बैठक का आयोजन करता आ रहा है।

यह बैठक नई तालीम के गांधीवादी दृष्टिकोण, 'करके सीखना' और यह सुनिश्चित करने में डॉ. जाकिर हुसैन के विश्वास का प्रतीक है कि शिक्षा विश्वविद्यालय की दीवारों से परे फैली हुई है। यह बैठक वंचित बच्चों को विश्वविद्यालय का अनुभव और अपनी बाधाओं को दूर करने, प्रेरणा हासिल करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है। यह दृष्टिकोण बैठक में सम्मानित अतिथियों की पसंद में भी परिलक्षित हुआ। इसमें चार बाल पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जिनमें सुश्री सुहानी चौहान (नवाचार के लिए 2024 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार) और परित्यक्त कचरे से जैविक खाद बनाने और कम लागत वाले कंप्यूटर के विकास के लिए क्रमशः 2023 में चिल्ड्रन चैंपियन पुरस्कार के सुश्री अनुष्का जॉली (सामाजिक सेवा के लिए 2023 में प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार), श्री हर्ष और श्री अंश वर्मा डीसीपीसीआर के प्राप्तकर्ता शामिल हैं। इसने दर्शकों में मौजूद बच्चों को बाल रोल मॉडल के साथ संवाद करने का एक दुर्लभ मौका प्रदान किया, जिन्होंने अपने असाधारण काम और आउट-ऑफ़-बॉक्स सोच के कारण पहचान हासिल की है।

इस अवसर की मुख्य अतिथि सुश्री किरण सिंह थीं जो वर्तमान में मदर डेयरी में मानव संसाधन विभाग की प्रमुख हैं और जेएमआई के सामाजिक कार्य विभाग की पूर्व छात्रा हैं। वह अपने रणनीतिक लोगों के हस्तक्षेप के माध्यम से संगठन को असाधारण ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जानी जाती हैं।

इस वर्ष की खेल और सांस्कृतिक बैठक में सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समुदायों में काम करने वाले 15 गैर सरकारी संगठनों से जुड़े 230 बच्चों (10 -14 वर्ष की आयु) की भागीदारी देखी गई। भाग लेने वाले प्रत्येक समूह को समवर्ती क्षेत्रीय कार्य के लिए इन एजेंसियों में रखे गए एमएसडब्ल्यू छात्रों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया था। इस कार्यक्रम को मदर डेयरी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, फाइंडर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और समाज कार्य विभाग के पूर्व छात्र द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत

छात्र वोलेंटीयर्स द्वारा सुबह के समय विभाग द्वारा व्यवस्थित बसों में अपने संबंधित समुदायों के उत्सुकता से इंतजार कर रहे बच्चों को ले जाने के साथ हुई।

जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में खेल गतिविधियों के साथ मीट की शुरुआत हुई। जब छोटे बच्चे सैक रेस और बाधा दौड़ के लिए उतरे तो स्कूल का खेल मैदान उत्साह और ऊर्जा से भर गया। जैसे-जैसे बच्चे फिनिशिंग लाइन के करीब पहुंचे, मैदान टीमों की जय-जयकार से गूंज उठा। इसके बाद, एक समूह कार्य गतिविधि शुरू हुई जहां प्रत्येक टीम के सदस्यों ने समाचार पत्रों के द्वारा 'कचरे से सर्वोत्तम' बनाने के लिए सहयोग किया।

खेलों की एक रोमांचक सुबह के बाद, कार्यक्रम सांस्कृतिक बैठक के लिए सीनियर सेकेंडरी स्कूल सभागार में स्थानांतरित हो गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने प्रत्येक टीम को, जिसमें सभी आयु वर्ग के बच्चे शामिल थे, गायन, नृत्य और प्रहसन प्रतियोगिता में मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया।

ये सभी प्रदर्शन; ट्रांसपर्सन के खिलाफ भेदभाव, बालिका शिक्षा, स्वच्छता, बाल श्रम, साइबरबुलिंग, डिजिटल साक्षरता, विविधता और सामाजिक सद्भाव जैसे गहन सामाजिक महत्व के विषयों पर आधारित थे। प्रत्येक प्रदर्शन पर हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा क्योंकि दर्शकों ने गाने गुनगुनाकर और नृत्य पर झूमकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जज विख्यात पूर्व छात्र थे।

कार्यक्रम के अंतिम क्षणों में प्रतिभागियों ने उत्सुकता से अपने प्रयासों की परिणति - पुरस्कार समारोह का इंतजार किया। अतिथियों ने खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। अधिकतम पुरस्कारों के साथ दी जाने वाली ट्रॉफी द क्रिएटिव थिंकर्स फोरम फॉर गर्ल्स और सीएएसपी-दिल्ली फॉर बॉयज को प्रदान की गई।

फिर भी, आयोजन का असली सार महज़ जीत से कहीं अधिक था, क्योंकि भागीदारी को ही एक सराहनीय उपलब्धि के रूप में मनाया गया। पुरस्कारों की चमक से परे, यह जुड़ाव, टीम वर्क, रचनात्मकता और बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने की भावना थी जिसने वास्तव में इस अवसर को रोशन किया। वास्तव में, प्रत्येक बच्चा अपने युवा चेहरों पर मुस्कान के साथ अपनी भागीदारी के पुरस्कार और प्रमाण पत्र लेकर विजेता बनकर घर लौटा।

कार्यक्रम को विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नीलम सुखरामनी और डॉ. संजय ओंकार इंगोले, संयोजक, इंटर एजेंसी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल मीट 2024 के नेतृत्व में एमएसडब्ल्यू, एचआरएम, एडीपीएच और बीएसडब्ल्यू छात्रों, सामाजिक कार्य विभाग के संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के सहयोगात्मक प्रयासों से सफलता मिली। इंटर एजेंसी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल मीट में कई समितियों के टीम वर्क द्वारा संभव बनाया गया विशाल

लॉजिस्टिक समर्थन और खेल, सांस्कृतिक, जलपान, परिवहन, पुरस्कार खरीद और वितरण, स्क्रीनिंग और तकनीकी समिति, सहायता सेवा और जनसंपर्क योजना शामिल है।

विभाग ने इंटर एजेंसी कल्चरल एंड स्पोर्ट्स मीट 2024 के माध्यम से विस्तार गतिविधियों की अपनी शानदार विरासत में गर्व से एक और अध्याय जोड़ा।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया